

5

माननीय राजस्व मण्डल म.प्र. ग्वालियर इन्हों के

P1432PB217 न्यायालय में

गंगाराम पिता श्री गोविन्दसिंह,
उम्र-52 वर्ष, व्यवसाय-कृषि,
निवासी-ग्राम बरदरी, तहसील सांवेर,
जिला-इंदौर (म.प्र.)
हाल निवासी-ग्राम भंवरासला, थाना-बाणगंगा,
जिला-इंदौर (म.प्र.)

कार्यालय आयुक्त इन्दौर संभाग इन्दौर
श्री पी.ए.श.पेला
प्रार्थी/अभिभाषक द्वारा दिनांक 22-04-2017
को प्रस्तुत।

263
22-04-2017

अधीक्षक
आयुक्त कार्यालय

— प्रार्थी / आवेदक

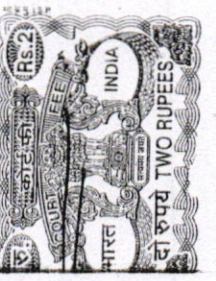
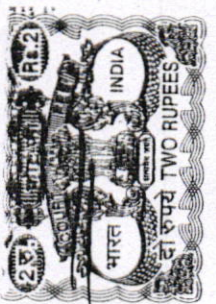
विरुद्ध

विजय शाह पिता श्री केशवलाल शाह,
निवासी-4, अहिल्यामाता कॉलोनी, इंदौर (म.प्र.)

— प्रतिप्रार्थी / अनावेदक

रीवीजन धारा 50 म.प्र.भू.रा.सं. के अन्तर्गत

प्रार्थी रा.रा. श्रीमान् तहसीलदार महोदय, तहसील सांवेर, जिला इंदौर
के समक्ष आवेदक द्वारा धारा 250 सहपठित धारा 32 एवं 52
भू-राजस्व संहिता एवं धारा 151 सी.पी.सी. के तहत प्रकरण क्र. 1/31 X 70
में 2015-2016 में पारित आदेश बाड 9/3/17 से असंतुष्ट होकर मियाद में यह
रीवीजन प्रस्तुत करता है:-



न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी 1432-पीबीआर/17

जिला इंदौर

स्थान तथा दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभाषकों
आदि के हस्ताक्षर

4/7/17

आवेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । तहसील न्यायालय के आदेश दिनांक 9-3-17 की सत्यप्रतिलिपि का अवलोकन किया गया । तहसीलदार द्वारा उक्त आदेश से यथास्थिति बनाये रखे जाने के आदेश दिये गये हैं, जिसमें प्रथम दृष्टया कोई अवैधानिकता अथवा अनियमितता परिलक्षित नहीं होती है । इसके अतिरिक्त तहसीलदार के समक्ष आवेदक को पक्ष समर्थन का अवसर उपलब्ध है, जहां वे स्थगन निरसत कराने की कार्यवाही कर सकते हैं । अतः यह निगरानी प्रथम दृष्टया आधारहीन होने से अग्राह्य की जाती है ।

(मनोज गोयल)

अध्यक्ष